

प्रेषक :

सी० भास्कर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में :

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग-1

देहरादून : दिनांक, 11 जून, 2008

विषय :-

लामाबगड़ लघु जल विद्युत परियोजना, क्षमता 200 कि०वा०, जनपद बागेश्वर के सिविल कार्य में Homogenous Rock आने के कारण लोक निर्माण विभाग द्वारा संस्तुत दरों के अनुसार विचलन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति विषयक।

सन्दर्भ :-

पत्र सं०-2935/उरेडा/4(1)-88/लामाबगड़/2006 दिनांक 01-03-2008
पत्र सं०-336/उरेडा/4(1)-88/लामाबगड़/2006 दिनांक 17-05-2008

महोदय,

उपर्युक्त सन्दर्भित आपके पत्रों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लामाबगड़ लघु जल विद्युत परियोजना के सिविल कार्यों में Homogenous Rock आने के कारण शासन द्वारा पूर्व में स्वीकृत दर रु० 43.00 प्रति घन मीटर के स्थान पर लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा वर्तमान में संस्तुत दर रु० 125.00 प्रति घन मीटर की दर से उक्त कार्य हेतु मात्रानुसार रु० 9,15,000.00 (रुपये नौ लाख पन्द्रह हजार मात्र) के विचलन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
2. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गई है।
4. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
5. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य भ्रजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

क्रमशः

6. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
7. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
8. निर्माण सामग्री उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग लाया जाय।
9. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-2047/XI/-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या-21 के अन्तर्गत राखाशीर्षक-2810 की संगत मदों से यथासमय आवंटित धनराशि एवं भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रांश से वहन किया जायेगा। जो धनराशि जनसहभागिता के सापेक्ष लाभार्थी अंश से प्राप्त की जानी है उसे यथासमय प्राप्त करना सुनिश्चित कर लिया जाय।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०-579/XXVII(2) दिनांक 09 जून, 2008 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी० भास्कर)
अपर सचिव

संख्या 744 /1/2008-03(8)/18/2005, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
3. प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
5. टी०ए०सी०, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाईल।
7. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।

(सी० भास्कर)
अपर सचिव